न्यूज डायरी

हैरी और मेगन ने खुद को राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्यों की भूमिका से अलग किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने बुधवार को ब्रिटिश राजशाही को चौंकाते हुए खुद को राज परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की भूमिका से अलग कर लिया । हैरी ने इस बारे में महारानी एिलजाबेथ द्वितीय से कोई कथित रूप से चर्चा नहीं की । इस चौंकाने वाली घोषणा में दम्पति ने कहा कि वह अब अपना समय उत्तर अमेरिका में व्यतीत करेंगे और प्रेस के साथ लंबे समय से स्थापित संबंधों को भी वे समाप्त कर रहे हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार ड्यूक और डचेस ऑफ ससेक्स ने अपनी दादी महारानी एलिजाबेथ और पिता प्रिंस चार्ल्स को बताए बिना यह बयान जारी किया। बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा, '' हम शाही परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की भूमिका से हट कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं और इस दौरान महारानी को हमारा पूरा सहयोग मिलता रहेगा ।''

चीन में रहस्यमय ढंग से फैल रहे न्यूमोनिया का जिम्मेदार एक नया वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन में रहस्यमय ढंग से फैले न्यूमोनिया की वजह एक नए वायरस को मान रहा है। इसके कारण अब तक 59 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकारी मीडिया ने गुरूवार को इसकी जानकारी दी। संक्रमण की पुष्टि वुहान में 31 दिसंबर को हुई थी। इसके बाद बेहद संक्रामक फ्लू एसएआरएस के फिर से फैलने का डर पैदा हो गया है। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने गुरुवार को प्रयोगशाला के परिणामों के आधार पर कहा कि विशेषज्ञों का शुरुआती तौर पर यह मानना है कि इस बीमारी के पीछे एक नया वायरस है। चीन ने रविवार को एक बयान जारी करके एसएआरएस की आशंका से इनकार कर दिया था। बता दें कि एक दशक से भी पहले इस वायरस की चपेट में आकर सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिकी नागरिकों की हत्या के इरादे से ईरान ने किया मिसाइल हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के अध्यक्ष जनरल मार्क मिली ने कहा कि उनका मानना है कि इराक में दो सैन्य अड्डों पर ईरान का मिसाइल हमला अमेरिकी नागरिकों की हत्या के इरादे से किया गया। मिली एवं अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने पत्रकारों से कहा कि पश्चिम इराक में अल–असद वायुसेना अड्डे पर 11 बैलिस्टिक मिसाइल दागे गए जिससे थोड़ी बहुत क्षति हुई। हमले से तंबू और एक हेलीकॉप्टर नष्ट हो गए लेकिन कोई अमेरिकी नागरिक हताहत नहीं हुआ। मिली ने कहा, ''जो भी मैंने देखा और जो मैं जानता हूं उसके आधार पर मेरा मानना है कि वे बुनियादी ढांचा, वाहनों, उपकरणों, विमान और अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे।'' मिली ने कहा कि अमेरिका की प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली और रक्षात्मक कदमों के कारण घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

ईरान के साथ परमाणु करार से अलग होने के ट्रंप के आह्वान को चीन ने किया खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन ने गुरूवार को ईरान के परमाणु समझौते से दूरी बनाने और नये समझौते के लिए काम करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान को खारिज करते हुए गुरूवार को कहा कि यह समझौता संयुक्त राष्ट्र द्वारा बड़े परिश्रम के बाद पारित हुआ और सभी पक्षों को इसका पालन करना चाहिए। ईरान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन तथा जर्मनी और यूरोपीय संघ के बीच 2015 में ज्वाइंट कांप्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) हुआ था। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार परमाणु करार की आलोचना करते रहे हैं। वह समझौते से पहले ही अलग हो चुके हैं और उनका कहना था कि यह अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने वाला नहीं है। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि दूसरे देशों के लिए भी समय आ गया है कि ईरान के साथ हुए जेसीपीओए से अलग हो जाएं। हमें ईरान के साथ एक अन्य करार करने की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास के पास रॉकेट हमला

धमकी

- अमेरिकी दूतावास के 100 मीटर के दायरे पर एक रॉकेट गिरा
- किसी नुकसान की खबर नहीं, अभी किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

इराकी सेना ने पुष्टि करते हुए कहा कि बगदाद के ग्रीन जोन के अंदर दो कत्युशा रॉकेट दागे गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बगदाद। इराक और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच बगदाद के भारी किलेबंदी वाले ग्रीन जोन में एक बार फिर रॉकेट हमला हुआ है। इराकी सेना ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि बगदाद के ग्रीन जोन के अंदर दो कत्युशा रॉकेट दागे गए हैं। इराकी सेना ने कहा कि हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी दूतावास से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक रॉकेट गिरा है। अभी किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले 5 जनवरी को भी बगदाद के ग्रीन जोन में ईरान समर्थक मिलिशिया ने कत्युशा रॉकेट दागे थे। कुछ रॉकेट अमेरिकी दूतावास के अंदर भी गिरे थे।

समाचार एजेंसी रॉयटर के मुताबिक, हमले के वक्त ग्रीन जोन के अंदर सायरन बज रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक रॉकेट अमेरिकी दूतावास से करीब 100 मीटर की दूरी पर गिरा है।

किसी ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारीः इराकी सेना ने कहा, ग्रीन जोन के अंदर दो कत्युशा रॉकेट गिराए गए हैं लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ है। समाचार एजेंसी रॉयटर के मुताबिक, बगदाद में सायरन के साथ दो तेज धमाकों की आवाज आई। फिलहाल अभी किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें कि इससे पहले बुधवार तड़के ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी सेना कैंप में 22 बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था।

ट्रंप ने की थी शांति की पहलः इसे ईरान ने शीर्ष कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत का बदला बताया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया था कि हमले में किसी अमेरिकी की जान नहीं गई। इस दौरान ट्रंप ने ईरान से शांति की पेशकश करते हुए कहा था कि अमेरिका उन सभी के साथ शांति के लिए तैयार है, जो शांति चाहते हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के शांति संदेश पर ईरान की चुप्पी, टल गई जंग?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। तो क्या ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी के मारे जाने के बाद अमेरिका और तेहरान के बीच तनातनी थम गई है? अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के श्शांति पाठश के बाद दोनों देशों के बीच जंग की आहट फिलहाल टलती दिख रही है। ईरान द्वारा बुधवार को इराक में अमेरिकी सैनिकों पर मिसाइल हमले के बाद पूरी दुनिया युद्ध की आशंका से सहम गई थी।

ट्रंप के बयान के बाद ईरान की तरफ से अभीतक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है और उसकी रहस्यमयी चुप्पी से फिलहाल अमन की आस कायम है। ट्रंप के बयान के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है।

ट्रंप ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि ईरान पीछे हटता दिख रहा है। उन्होंने कहा, ईरान के इराक में अमेरिकी अड्डों पर मिसाइल हमले में किसी अमेरकी सैनिक की जान नहीं गई और हमें इसका सुकून है। अर्ली वार्निंग सिस्टम ने ठीक तरीके से काम किया और हमारे सैनिक सुरक्षित जगह पर चले गए। ट्रंप ने ईरान से शांति की पेशकश करते हुए कहा था, अमेरिका उन सभी के साथ शांति के लिए तैयार है, जो शांति चाहते हैं।

कांगो में चेचक का कहर 2019 से अब तक 6000 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कांगो। डेमोक्रैटिक रिपब्लिक कांगो में 6000 लोगों की मौत अब तक चेचक की वजह से हो चुकी है। मेल ऑनलाइन में प्रकाशित खबर के अनुसार, 2019 में चेचक महामारी फैलने के कारण हुई मौत में अब तक मौत का आंकड़ा इबोला वायरस से होनेवाली मौत से लगभग तीन गुना अधिक है। अभी तक देश के एक चौथाई से अधिक लोगों में चेचक का संक्रमण पाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दुनिया के सबसे बुरे प्रकोप में से एक बताया है। चेचक की महामारी के लगातार फैलने के बाद भी अभी तक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का इस पर खास ध्यान नहीं दिया गया।

पाक ने बिना चर्चा के ही बढ़ाया जनरल बाजवा का कार्यकाल संबंधी विधेयक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के रूप में जनरल कमर बाजवा को तीन साल का विस्तार देने वाले विधेयकों को संसद से बिना किसी चर्चा के जल्दबाजी में पारित करवाया गया। असंतुष्ट पाकिस्तानियों के एक समूह ने इसकी जानकारी दी है । जियो न्यूज के मुताबिक सेना, नौसेना और वायुसेना प्रमुखों और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमिटी के अध्यक्ष की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 64 वर्ष करने संबंधी विधेयकों को छोटे दलों के विरोध के बावजूद उच्च सदन अथवा सीनेट से पारित करवा लिया गया।

पूर्व पत्रकारों और राजनयिकों ने की निंदाः साउथ एशियन्स अगेंस्ट टेरेरिज्म ऐंड फॉर ह्यूमन राइट्स (साथ) फोरम के बैनर तले समूह ने बुधवार को कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान की सरकार और मुख्य विपक्षी दलों ने सैन्य अधिनियम में संशोधनों को जल्दबाजी में पारित करवाया वह चिंता विषय है। पूर्व पत्रकारों एवं राजनयिकों के समूह साथ ने एक बयान में कहा, 'इस चर्चा के बिना कि इस तरह के कानून की जरूरत है भी या नहीं, विधेयकों को पारित करवा लिया गया। इसमें पाकिस्तान में लोकतंत्र के भविष्य पर इस तरह के कदम से पड़ने वाले असर के बारे में भी विचार नहीं किया गया।'

विधेयक पारित होते ही पाक ने सत्र स्थगित कियाः डॉन के मुताबिक सीनेट के अध्यक्ष सादिक सांजरानी ने विधेयक पारित होते ही सत्र स्थगित कर दिया। सीनेट का सत्र महज 20 मिनट चला। वक्तव्य में कहा गया, 'इतिहास में दर्ज है कि अपनी शक्ति को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुखों ने पाकिस्तान में बार–बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित है।'

जारी बयान में कहा गया, 'सेना पहले तख्तापलट कर चुकी है और उसके प्रमुखों ने अपना कार्यकाल शक्ति के बल पर खुद बढ़ा लिया।

डॉक्टर ने जारी कर दिया था डेथ सर्टिफिकेट, दफनाने से पहले जिंदा हो गई महिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान में एक मृत महिला के फिर से जीवित हो जाने का अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक 50 साल की महिला जिसे अस्पताल ने मृत घोषित कर दिया था, अपने अंतिम संस्कार से ठीक पहले जिंदा हो गई। अब इसे डॉक्टर की लापरवाही कह सकते हैं जिन्होंने उन्हें मृत घोषित कर दिया या फिर चमत्कार जिससे वह फिर से जिंदा हो गई, लेकिन महिला को अपने बीच फिर से पाकर घर वालों की खुशी का ठिकाना नहीं है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राशीदा बीबी को कराची के अब्बासी शहीद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें मृत घोषित करके डेथ सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिला चमत्कारिक तरीके से उस वक्त जिंदा हो गई जब दफनाने से पहले शव को नहलाया जा रहा था। राशीदा की रिश्तेदार शबाना ने कहा, हम उनके शव को नहला रहे थे, तभी रूम में मौजूद एक महिला ने उनके शरीर में हरकत महसूस की।